Washim District Police

Nature of Work :- **Recovery of Stolen Property**

Police Station :- **Mangrulpir**

Date of Good Work done :- **24/01/2022**

Brief of the work done :-

पोलीस अधीक्षक श्री.@IPS_Bachchan यांच्या मार्गदर्शनाखाली @PS_Mangrulpir चे पोनि.जगदाळे व त्यांच्या पथकाने चोरी गेलेला मोटरसायकलचा शिताफीने शोध घेऊन दोन आरोपी ताब्यात घेऊन त्यांच्याकडून तब्बल 16 मोटर सायकल हस्तगत करून 8.20 लाख किमतीचा मुद्देमाल हस्तगत केला आहे.

दैनिक भास्कर
BhaskarHindi.com

6/12

सफलता | 8.20 लाख रुपए मूल्य की चोरी की 16 मोटर साइकिलें बरामद, पत्रकार परिषद में दी जानकारी

दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

जिला प्रतिनिधि | वाशिम

मंगरूलपीर पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 8 लाख 20 हजार रुपए मूल्य की 16 मोटर साइकिलें जब्त करने की जानकारी अपर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने पत्रकारों को देते हुए बताया कि इस गिरोह के मुख्य आरोपी समेत अन्य बदमाशों की तलाश भी सरगर्मी से की जा रही है।

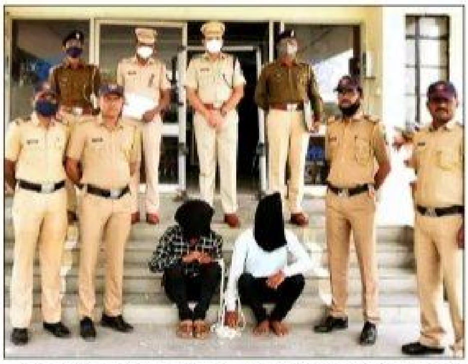

जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सोमवार को आयोजित पत्रकार परिषद में अपर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के साथही स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक सोमनाथ जाधव तथा मंगरूलपीर के थानेदार धनंजय जगदाले व सहायक पुलिस निरीक्षक निलेश शेंबडे व अन्य पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। पत्रकारों से चर्चा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने बताया कि पिछले कुछ माह से जिले में दुपहिया वाहन चोरी की घटनाएं बढ़ गई थी, जो एक प्रकार से पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। उन्होंने बताया कि गत 26 दिसम्बर 2021 को मंगरूलपीर शहर में क्रीड़ा संकुल के पास से सुबह 6 बजे अज्ञात बदमाश ने बजाज डिस्कवर मोटर साइकिल चुरा ली। इस मामले में मंगरूलपीर पुलिस ने भादवि की धारा 379 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

▪ बगैर दस्तावेजों के बाइक बेचे जाने की खबर से मामला उजागर

इस दौरान 24 जनवरी को मंगरूलपीर पुलिस को एक व्यक्ति द्वारा बगैर दस्तावेजों के मोटर साइकिल बेचे जाने की गोपनिय सूचना मिली। इसी सूचना के आधार पर पुलिस दल तत्काल मौके पर पहुंचा और भिवा उर्फ चंद्रशेखर जिवन वानखडे नामक युवक को पकड़कर जब उससे कड़ी पूछताछ की तो आरोपी ने उक्त मोटर साइकिल पेडगांव में एक विधिसंघर्ष बालक के पास रखने की बात कही। पुलिस ने पेडगांव जाकर चोरी की मोटर साइकिल जब्त करते हुए दोनों को पकड़कर मंगरूलपीर पुलिस स्टेशन लाया। बाद में कड़ी पूछताछ करने पर भिवा और विधिसंघर्ष बालक ने पुलिस को बताया कि वे वर्ष 2020 से मंगरूलपीर समेत आसपास के परिसर व अन्य जिलों में मोटर साइकिल चोरी करते आ रहे है। उनके साथ सूरज ज्ञानदेव पाटिल व धम्मा राजेंद्र वानखडे दोनों मंगलसा निवासी भी शामिल है और सूरज ज्ञानदेव पाटिल गिरोह का मुखिया है और उसे ही हम मोटर साइकिल चुराकर देते है। सूरज पाटिल ही बिना दस्तावेज के चोरी की मोटर साइकिलें बेचता है। पुलिस दल ने ग्राम मंगलसा पहुंचकर धम्मा वानखडे को हिरासत में लिया लेकिन मुख्य आरोपी सूरज ज्ञानदेव पाटिल पुलिस की भनक लगते ही फरार हो गया। पकड़े गए तीनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने ग्राम शिवणी परिसर में स्थित एक खेत तथा ग्राम बेलखेड से कुल 16 चोरी की मोटर साइकिलें जब्त की। इनमें से 3 चोरी की मोटर साइकिलें ग्राम मंगलसा निवासी मुख्य आरोपी सूरज पाटिल के घर से जब्त की गई। जब्त की गई सभी 16 मोटर साइकिलों की कीमत लगभग 8 लाख 20 हजार रुपए है। अपर पुलिस अधीक्षक भामरे ने बताया कि पुलिस मुख्य आरोपी सूरज पाटिल की सरगर्मी से तलाश कर रही है तो वहीं पकड़े गए आरोपियों से और भी चोरी की मोटर साइकिलें बरामद होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपियों ने चोरी की मोटर साइकिलें कहां-कहां और किस-किस को बेची, इसकी भी जानकारी पुलिस एकत्रित कर रही है। चर्चा के दौरान ही अपर पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि चोरी की बरामद सभी मोटर साइकिलों के इंजिन और चेसिस नम्बर की जानकारी वाशिम समेत आसपास के जिलों के पुलिस स्टेशनों को भी भेजी गई है जिससे उनके सही मालिकों का पता लग सके।

इन्होंने की कार्रवाई ▪ मंगरूलपीर पुलिस ने यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक बच्चन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी यशवंत केडगे, पुलिस निरीक्षक धनंजय जगदाले के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक निलेश शेंडगे, डीबी पथक के हेका अमोल मुंदे, पुकां मोहम्मद परसुवाले, सचिन शिंदे, मिलिंद भगत, जितेंद्र ठाकरे ने की है। इस मामले में आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक निलेश शेंडगे कर रहे है।